

भारत का राजपत्र

The Gazette of India



भाग II—लाइ ३—उप-लाइ (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

शाधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 422]
No. 422]

नई दिल्ली, ब्रह्मपतिवार, अगस्त 20, 1987/श्रावण 29, 1909
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 20, 1987/SRAVANA 29, 1909

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या वो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के लिए लेखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

भाग-भूतल प्रियदर्शन मंत्रालय
नई दिल्ली, 13 अगस्त, 1987
ग्रधिमुचना

का प्रा. 783 --भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय चतुर्भारी प्रातिकर्ण अधिनियम, 1985 (1985 का 82ता) की धारा 3 की उपाधारा (3) में प्रदत्त विवरों का पदार्थ करने वाले अन्तर्राष्ट्रीय मंत्रकार श्री गणेश आर अमारी का ५ जुलाई, 1987 के प्रतिनिधि से आगामी आठवां तक भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय मार्ग प्रातिकर्ण वा मदम्य (तकनीकी) नियन्त्रण करनी है।

[का. सं. 43/आई.डी.टी. (1)/86-एन.डी.]
श्री आर चक्रवाण, मंत्रीमण्डप

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

New Delhi, the 13th August, 1987

NOTIFICATION

S.O. 783(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 3 of the Inland Waterways Authority of India Act, 1985 (82 of 1985), the Central Government hereby appoints Shri M. A. R. Ansari, Member (Technical) of the Inland Waterways Authority of India with effect from the forenoon of 9th July, 1987 until further orders.

[F. No. 43-IWT(1)'86-N.W.]
B. R. CHAVAN, Jt. Secy.